Chapter-9: शासक और विभिन्न इतिवृत

मुगल और उनके साम्राज्य :-

- मुगल नाम 'मंगोल शब्द से लिया गया है। मुगल पितृ पक्ष में तुर्की शासक तैमूर के वंशज थे। ज़हीरुद्दीन बाबर का संबंध उसकी माँ की तरफ से गेनगीस खान से था।
- बाबर को उर्गबेक युद्धरत फरगाना से भगाया गया था। पहले उन्होंने खुद को काबुल में स्थापित किया और फिर 1526 में भारतीय उप - महाद्वीप में आ गए।
- बाबर के उत्तराधिकारी, नसीरुद्दीन हुमायूँ (1530 - 40 , 1555 - 56) ने साम्राज्य के मोर्चे का विस्तार किया, लेकिन अफ़गान नेता शेर शाह सूर से हार गए। 1555 में, हुमायूँ ने सुरों को हराया , लेकिन एक साल बाद उसकी मृत्यु हो गई।
- जलालुद्दीन अकबर (1556 - 1605) सभी मुगल सम्राटों में सबसे महान था। उसने अपने साम्राज्य का विस्तार और समेकन किया और इसे सबसे बड़ा, सबसे मजबूत और समृद्ध बनाया।
- अकबर के पास तीन काबिल उत्तराधिकारी जहाँगीर (1605 - 27) , शाहजहाँ (1628 - 58) और औरंगज़ेब (1658 - 1707) थे। औरंगज़ेब (1707) की मृत्यु के बाद, मुग़ल वंश की शक्ति कम हो गई।

मुगलों का विभिन्न इतिहास :-

- साम्राज्य और उसके दरबार के अध्ययन के लिए मुगल सम्राटों द्वारा कमीशन किए गए इतिहास एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं।
- मुगल कालक्रम के लेखक सदा से दरबारी थे। प्रसिद्ध इतिहासकार हैं अकबर नामा , शाहजहाँ नामा और आलमगीर नाम।
- तुर्की मुगलों की मातृभाषा थी, लेकिन यह अकबर था जिसने फारसी को मुगल दरबार की प्रमुख भाषा बना दिया था।
- स्थानीय मुहावरों को अवशोषित करके फारसी का भारतीयकरण हुआ। उर्दू हिंदवी के साथ फ़ारसी की बातचीत से उछली।

- मुग़ल भारत की सभी पुस्तकें हस्तलिखित थीं और उन्हें किताबखाना में रखा गया था। यानी स्क्रिप्टोरियम।
- एक पांडुलिपि के निर्माण में कागज निर्माता , शास्त्री या सुलेख, , पांडुलिपियों , चित्रकार , बुकबाइंडर आदि शामिल थे।
- अकबर की पसंदीदा सुलेख शैली नस्तलीक थी , एक तरल शैली जिसमें लंबे क्षैतिज आघात थे। कश्मीर के मुहम्मद हुसैन अकबर के दरबार के सबसे अच्छे सुलेखक में से एक थे जिन्हें 'ज़रीन कलम '(गोल्डन पेन) की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

मुगल काल की चित्रकला :-

- अबू फ़ज़ल ने चित्रकला को एक 'जादुई कला के रूप में वर्णित किया , लेकिन चित्रकला के उत्पादन की बड़े पैमाने पर उलमा द्वारा आलोचना की गई थी , क्योंकि यह कुरान और साथ ही 'हदीस द्वारा निषिद्ध था।
- हदीस ने पैगंबर मोहम्मद के जीवन की घटना का वर्णन किया, जिसने जीवित प्राणियों के धोखे को प्रतिबंधित कर दिया क्योंकि वे इसे भगवान का कार्य मानते थे।
- सफाविद राजाओं और मुगल सम्राटों ने बिहजाद, मीर सैय्यद अली, अब्दुस समद, आदि जैसे बेहतरीन कलाकारों का संरक्षण किया।

मुगलों का ऐतिहासिक पाठ अकबर नामाः और बादशाह नाम :-

- अबू फज़ल द्वारा लिखित अकबर नामाः को तीन किताबों में विभाजित किया गया है , जिनमें से तीसरा है आइन-ए-अकबरी जिसमें अकबर के शासन का विस्तृत विवरण दिया गया है।
- बादशाह नामाः शाहजहाँ के शासनकाल के बारे में अबुल हामिद लाहौरी द्वारा लिखा गया था। बाद में, इसे सदुल्लाह खान ने संशोधित किया।
- 1784 में सर विलियम जोन्स द्वारा स्थापित एशियाटिक सोसाइटी ने अकबर नामा और बादशाह नामा सहित कई भारतीय पांडुलिपियों के संपादन, मुद्रण और अनुवाद का कार्य किया।

मुगल साम्राज्य का आदर्श राज्य :-

- ईरानी सूफी विचारक सुहरावर्दी ने विचार विकसित किया कि एक पदानुक्रम था जिसमें दिव्य प्रकाश राजा को प्रेषित किया गया था जो तब अपने विषयों के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शन का स्रोत बन गया था ।
- 17 वीं शताब्दी के बाद से मुगल कलाकारों ने बादशाहों को चित्रित करना शुरू कर दिया , जो कि हलोटो पहने हए भगवान के प्रकाश का प्रतीक था ।
- अबू फज़ल ने सुलभ - आई (आदर्श शांति) के आदर्श को प्रबुद्ध शासन की आधारशिला बताया।
- सुलह मैं ये सभी धर्मों और विद्यालयों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता थी लेकिन वे राज्य के अधिकार को कम नहीं करते थे और न ही आपस में लड़ते थे।
- अकबर ने 1563 में भेदभावपूर्ण तीर्थयात्रा कर और 1564 में जजिया को समाप्त कर दिया।
- अबू फ़ज़ल ने संप्रभुता को एक सामाजिक अनुबंध के रूप में परिभाषित किया , अर्थात , सम्राट ने जीवन , संपत्ति , सम्मान और विश्वास की रक्षा की और बदले में आज्ञाकारिता और संसाधनों की हिस्सेदारी की मांग की ।

मुग़लों की राजधानियाँ और न्यायालय :-

- मुगलों की राजधानी अक्सर 16 वीं और 17 वीं शताब्दी के दौरान स्थानांतरित हो गई ।
- बाबर ने आगरा की राजधानी लोधी पर अधिकार कर लिया । 1570 में , अकबर ने नई राजधानी फतेहपुर सीकरी बनाने का फैसला किया ।
- अकबर ने सीकरी में शेख सलीम चिश्ती के लिए एक सफेद संगमरमर के मकबरे का निर्माण किया । उन्होंने गुजरात में जीत के बाद यहां बुलंद दरवाजा का निर्माण भी किया ।
- 1585 में उत्तर - पश्चिम को नियंत्रण में लाने और सीमांत को देखने के लिए राजधानी को लाहौर स्थानांतरित कर दिया गया ।
- 1648 में , शाहजहाँ के शासन में , राजधानी को लाल किले , जामा मस्जिद , चांदनी चौक और बड़प्पन के लिए विशाल घरों के साथ शाहजहानाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया था ।

- मुगल दरबार में , राजा के लिए स्थानिक निकटता द्वारा स्थिति निर्धारित की गई थी ।
- एक बार जब सम्राट सिंहासन पर बैठा , तो किसी को भी उसकी अनुमति के बिना अपने पद से जाने की अनुमति नहीं थी ।
- शासक को नमस्कार के रूपों ने पदानुक्रम में व्यक्ति की स्थिति का संकेत दिया ।
- सम्राट ने अपना दिन सूर्योदय से व्यक्तिगत धार्मिक भक्ति के साथ शुरू किया और फिर एक छोटे से छज्जे पर अपने विषयों के दर्शन (दर्शन) के लिए झरोखा दिखाई दिया ।
- उसके बाद सम्राट अपनी सरकार के प्राथमिक व्यवसाय का संचालन करने के लिए दर्शकों (दीवान - ए - आम) के सार्वजनिक हॉल में चले गए ।
- मुगल राजाओं ने एक वर्ष में तीन प्रमुख त्योहार मनाए , जैसे कि सौर और चंद्र ।
- राज्याभिषेक के समय या एक जीत के बाद मुगल सम्राटों द्वारा भव्य खिताब को अपनाया गया था ।
- आसफ खान , मिर्जा राजा जैसे खिताब रईसों को दिए गए थे ।
- जब भी कोई दरबारी बादशाह से मिलता था , तो उसे नाज़र (थोड़ी सी रकम) या पेशकश (बड़ी रकम) मिलती थी ।

मुगल घरेलू :-

- ' हरम ' शब्द का इस्तेमाल मुगलों की घरेलू दुनिया को संदर्भित करने के लिए किया गया था ।
- मुगल परिवार में सम्राट की पत्नियां और रखैलें , उनके निकट और दूर के रिश्तेदार (मां , सौतेली और माता , बहनें , बेटियां , बहुएं , मौसी , बच्चे , आदि) और महिला नौकर और दास शामिल थे ।
- बहुसंख्यक शासक वर्ग द्वारा बहुविवाह का प्रचलन था ।
- राजपूतों और मुगलों दोनों ने राजनीतिक रिश्तों को मजबूत करने और गठबंधन बनाने के लिए शादी की ।
- नूरजहाँ के बाद , मुगल रानी और राजकुमारियों ने महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों को नियंत्रित करना शुरू किया ।

- चांदनी चौक के बाजार को जहानारा ने डिजाइन किया था ।
- बाबर की बेटी गुलबदन बेगम ने ' हुमायूँ नामा ' लिखा , जिसे मुगल साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता था ।

मुगल प्रशासन में अधिकारी :-

- मुगल काल में , विभिन्न जातीय और धार्मिक समूह से कुलीनता की भर्ती की गई थी । अकबर की शाही सेवा में तुरानी और ईरानी रईसों ने प्रमुख भूमिका निभाई ।
- भारतीय मूल के दो शासक समूह , राजपूत और भारतीय मुस्लिम (शेखज़ाद) ने 1560 से शाही सेवा में प्रवेश किया ।
- सम्राट ने व्यक्तिगत रूप से रैंक , शीर्षक और आधिकारिक चित्रकला में परिवर्तन की समीक्षा की ।
- कुछ महत्वपूर्ण अधिकारी मीर बख्शी (महापौर) , दीवान - ए अला (वित्त मंत्री) और सद्र - उन - सुदुर (अनुदान के मंत्री और स्थानीय न्यायाधीश या क़ाज़ी नियुक्त करने के प्रभारी) , आदि थे । सटीक और विस्तृत पुरस्कार रखना मुगल प्रशासन की प्रमुख चिंता ।
- मीर बख्शी ने अदालती लेखकों की लाशों की निगरानी की , जिन्होंने अदालतों के सभी आवेदनों और दस्तावेजों को दर्ज किया ।
- समाचार रिपोर्टों और महत्वपूर्ण आधिकारिक दस्तावेजों ने मुगल साम्राज्य में शाही पद की यात्रा की , जिसमें फुट - रनर (क़ासिद या पथमार) के गोल रिले शामिल थे , जो बांस के कंटेनरों में लुढ़के हुए कागज़ात थे ।
- केंद्र में स्थापित कार्यों का विभाजन प्रांतों में दोहराया गया था ।
- स्थानीय प्रशासन को तीन अर्ध - वंशानुगत अधिकारियों , क़ानूंनो (राजस्व अभिलेखों का रखवाला) , चौधुरी (राजस्व संग्रह का प्रभारी) और क़ाज़ी द्वारा परगना के स्तर के बाद देखा गया था ।
- फारसी भाषा को प्रशासन की भाषा बना दिया गया था , लेकिन स्थानीय भाषाओं का इस्तेमाल गाँव के खातों के लिए किया जाता था ।

मुगल दरबार में जेसुइट मिशनरी :-

- मुगल सम्राटों ने शेरशाह , जहाँगीर , शाहजहाँ , आदि जैसे कई उपाधियाँ ग्रहण की । भारतीय उप - महाद्वीप में अपना रास्ता बनाने की मांग करने वाले सभी विजेताओं को हिंदुकुश पर्वतों को पार करना था । इस प्रकार , मुगल ने इस संभावित खतरे को दूर करने का प्रयास किया , और काबुल और कंधार को नियंत्रित करने का प्रयास किया ।
- जेसुइट मिशनरियों , यात्रियों , व्यापारियों और राजनयिकों के खातों के माध्यम से यूरोप को भारत का ज्ञान प्राप्त हुआ ।
- अकबर ईसाई धर्म के बारे में उत्सुक था और पहला जेसुइट मिशन 1580 में फतेहपुर सीकरी के मुगल दरबार में पहुंचा ।
- जेसुइट खाते व्यक्तिगत अवलोकन और सम्राट के चरित्र और दिमाग पर प्रकाश डालते हैं ।

धर्म के लिए अकबर की खोज :-

- धर्म ज्ञान के लिए अकबर की खोज ने फतेहपुर सीकरी में इबादत ख़ाना में , सीखा मुसलमानों , हिंदुओं , जैनियों , पारसियों और ईसाइयों के बीच अंतरविरोधी बहस का नेतृत्व किया ।
- बढ़ते हुए , अकबर धर्म को समझने के रूढ़िवादी इस्लामी तरीकों से दूर चला गया जो प्रकाश और सूर्य पर केंद्रित दिव्य पूजा के आत्म - अभिमानी उदार रूप की ओर है ।
- अकबर और अबू ल फ़ज़ल ने प्रकाश के दर्शन को बनाने की कोशिश की और इसका उपयोग राज्य के राजा और विचारधारा की छवि को आकार देने के लिए किया । राजा एक दिव्य रूप से प्रेरित व्यक्ति था , जिसका अपने लोगों पर सर्वोच्च संप्रभुता थी और अपने दुश्मनों पर पूर्ण नियंत्रण था ।
- इन उदार विचारों के साथ , मुगल शासक भारतीय उप - महाद्वीप की विषम आबादी को एक डेढ़ सदी तक प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सके ।